जैसे हरिणी जल के लिए हाँफती है

मेरा प्राण तेरे लिए प्‍यासा है

तू ही है मेरे दिल की चाहत

और मैं तेरी आराधना करूँ

तू ही है मेरा बल और ढ़ाल

मेरी आत्‍मा तेरी ओर झुके

तू ही है मेरे दिल की चाहत

और मैं तेरी आराधना करूँ

1. तू है राजा लेकिन तू मेरा मित्र

और मेरा भाई है

सब लोगों और सब बातों से

बढ़कर मैं तुझसे प्‍यार करता हूँ।

2. सोने और चाँदी से ज़्यादा मैं तुझसे चाहूँ

तू ही मुझे तृप्‍त करता है

सच्‍चे आनंद का दाता केवल तू ही

और मेरी आँखों की पुतली।